हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 27 .1 डिग्री
न्यूनतम 5 .5 डिग्री

11 कला अध्यापकों ने कैनवास पर उकेरे ...

12 नहर किनारे महिला की हत्या का केस अनसुलझा ...

खबर संक्षेप

आईटीआई में रोजगार मेला आज

रोहतक। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रोहतक के प्रधानाचार्य राजपाल सिंधु एवं प्लेसमेंट अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार ने बताया कि आईटीआई में 27 नवंबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेला में आईएमटी खरखौदा की प्रतिष्ठित कंपनी जय भारत मारुति बेरोजगार युवक-युवतियों को मौके पर ही रोजगार प्रदान करेगी। इस रोजगार मेले में 100 से अधिक बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार प्रदान किया जाएगा।

प्रधानाचार्य राजपाल सिंधु

सरकारी अस्पतालों में आज दो घंटे पेन डाउन हड़ताल

रोहतक। जिले के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर बृहस्पतिवार को अपनी मांगों के समर्थन में सुबह 9 से 11 तक ओपीडी सेवाएं बंद रखते हुए पेन डाउन हड़ताल पर रहेंगे। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन ने अपनी राज्य कार्यकारिणी की देर शाम हुई बैठक में यह फैसला लिया। हड़ताल की वजह मरीजों को उपचार करवाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा। हड़ताल का असर, रोहतक जिला अस्पताल, महम, कलानौर सहित छह सीएचसी और 17 पीएचसी में देखने को मिलेगा।

युवक अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो देसी पिस्तौल और चार जिंदा राउंड बरामद किए हैं। एवीटी थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने बताया कि मुख्य सिपाही नवीन के नेतृत्व में टीम गांव खेड़ी साध के पास नियमित गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान दिल्ली रोड की ओर से आ रहे एक युवक पर शक होने पर उसे रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान युवक के पास अवैध हथियार बरामद होने पर उसे तुरंत काबू कर लिया गया।

एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम 10 दिसंबर से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट फॉर ऑल सर्विसेज के तत्वावधान में 10 दिसंबर से 30 दिसंबर तक सॉफ्ट स्किल्स एंड एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की परियोजना निदेशिका प्रो. शालिनी सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल, यूटीडी समेत संबद्ध महाविद्यालयों के वर्तमान तथा पूर्व छात्र इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग ले सकते हैं। इस बैच में एडमिशन के लिए 10 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए परियोजना सहायक संदीप कुमार से मोबाइल नंबर-8816079775 पर संपर्क किया जा सकता है।

फोरेंसिक मेडिसन में विजेता ने जीता गोल्ड

महम। भैणी मातो गांव की बेटी विजेता ने जयपुर की सवाई मान सिंह मेडकिल कॉलेज से एमडी की है। फोरेंसिक मेडिसन में उसने गोल्ड मेडल जीता है। गांव वासी विकास सिवाच ने बताया कि विजेता सिवाच के मेडिकल कॉलेज की गोल्ड मैडलिस्ट बनने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है। विजेता के पिता और उनकी माता प्रवीन कौर ने खुशी जताई।

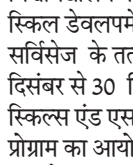

लाखनमाजरा में मातम : आज पहुंचेंगे खेल मंत्री गौरव गौतम, ग्वालियर एकेडमी से चार दिन पहले ही घर आया था

22 दिसंबर को छत्तीसगढ़ में थी नेशनल चैंपियनशिप

बॉस्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक की मौत पर सियासत शुरू भूपेंद्र हुड्डा ने सिस्टम की लापरवाही से हुई हत्या बताया

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने दी थी लाखनमाजरा स्टेडियम के लिए करीब 13 लाख की ग्रांट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

लाखनमाजरा में मंगलवार को बॉस्केटबॉल का पोल गिरने से 16 वर्षीय होनहार खिलाड़ी हार्दिक की मौत हो गई थी। हार्दिक की मौत से गांव सहित पूरे प्रदेश में मातम का माहौल है। साथ ही हार्दिक की मौत ने राजनीतिक गलियारों में गर्मी ला दी है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इसे सिस्टम की वजह से हुई हत्या बताया है। वहीं सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हार्दिक के घर पहुंच कर परिवार को सांत्वना दी। साथ ही कहा कि उनकी दी हुई करीब 13 लाख की ग्रांट का प्रयोग किया गया होता हो यह हादसा न होता। इसके अलावा खेल मंत्री गौरव गौतम भी वीरवार को हार्दिक के निवास पर सांत्वना देने पहुंचेंगे। हार्दिक मंगलवार की सुबह घर से खेलने के लिए लाखनमाजरा के बॉस्केटबॉल ग्राउंड में गया। उसने यहां काफी देर तक प्रैक्टिस की। बॉस्केटबॉल पोल पर लटकने लगा तो पोल जर्जर होने की वजह से टूटकर उसके ऊपर गिर गया। खिलाड़ी उसे बचाने के लिए भागे। पोल हटाकर हार्दिक को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रोहतक। हार्दिक के घर सांत्वना देने पहुंचे सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

जर्जर पोल

नेशनल लेवल का खिलाड़ी था हार्दिक

खिलाड़ियों ने बताया कि हार्दिक बहुत ही होनहार खिलाड़ी था। उसने कांगड़ा में हुई 47वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा, उन्होंने हैदराबाद में हुई 49वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज और पुडुचेरी में हुई 39वीं यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भी ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

हार्दिक राठी पहले भी पांच बार नेशनल चैंपियनशिप खेल चुका था

चार दिन पहले ही हार्दिक ग्वालियर एकेडमी से घर आया था। वह ग्वालियर में ही 10वीं कक्षा में पढ़ता था और वहीं एकेडमी पर बास्केट बॉल की प्रेक्टिस करता था। नेशनल चैंपियनशिप के लिए उसका चयन हो चुका था। 22 दिसंबर को उसकी छतीसगढ़ में नेशनल चैंपियनशिप होनी थी। इन राष्ट्रीय खेलों की तैयारी में जी जान लगाकर जुटा हुआ था। कुछ दिन के लिए वह घर पर आया था। घर पर रहते हुए अभ्यास न छूटे, इसलिए वह गांव के ही बास्केटबॉल ग्राउंड पर अपने नेशनल खेल की तैयारी करता था। उसका छोटा भाई प्रतीक राठी 7वीं कक्षा में पढ़ता है, जो गांव में ही रहता है। वह भी बास्केटबॉल का अच्छा खिलाड़ी है। वह भी अपने भाई के साथ ग्राउंड पर अभ्यास करता था। हार्दिक राठी पहले भी पांच बार नेशनल खेल चुका था और उसने सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। महज 16 साल की उम्र में ही उसने खेलों में कई सर्टिफिकेट भी प्राप्त किए। छोटी सी उम्र में ही वह देश के दिल्ली, मुम्बई जैसे बड़े शहरों में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले चुका था।

पंचायती जमीन पर चंदे से चलाई जा रही है खेल एकादमी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में खिलाड़ियों के लिए सरकार द्वारा खेलों की कोई सुविधा मुहैया नहीं करवाई गई है। जिस एकेडमी में हार्दिक के साथ यह हादसा हुआ। वह एकाडमी पंचायती जमीन में गांव के युवाओं द्वारा चंदे से चलाई जा रही है। सुविधाओं के नाम पर यहां पर जो कुछ भी है वह गांव की युवाओं की अपनी मेहनत है। खिलाड़ी आपस में चंदा करते हैं, या फिर गांव के लोगों से सहयोग लेते हैं। सरकार का इस ग्राउंड पर कोई योगदान नहीं है। ग्रामीण बताते हैं कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी कुछ सहयोग दिया था। गांव के युवकों ने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार में साल 2023 में इस ग्राउंड के लिए ग्रांट आई थी, जो अब तक खर्च नहीं की गई।

सीमेंटेड कोर्ट पर रोक की मांग, पत्र लिखा

खेल प्रेरक एवं जिला बार एसोसिएशन सदस्य एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा ओलंपिक संघ की अध्यक्ष मीनू बैनीवाल को पत्र लिखकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राज्य के स्कूलों, कॉलेजों और निजी संस्थानों में बने सीमेंटेड बास्केटबॉल कोर्ट खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए बेहद हानिकारक हैं। इससे घुटने, टखने और रीढ़ पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जबकि कमजोर पोल दुर्घटनाओं को जन्म देते हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य में नए बास्केटबॉल ग्राउंड केवल इंडोर वुडन फ्लोरिंग पर स्वीकृत हों, सीमेंटेड कोर्ट पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और पोल की सेफ एंकरिंग अनिवार्य की जाए। साथ ही सभी मौजूदा कोर्ट की व्यापक सुरक्षा जांच करवाकर सुधार किया जाए।

उच्चस्तरीय जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों पर हो एफआईआर

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हार्दिक और अमन की मौत का सरकारी लापरवाही से हुई हत्या करार दिया। उन्होंने कहा कि हार्दिक राष्ट्रीय खिलाड़ी था और वह अमेरिका के एक क्लब से भी जुड़ चुका था। अमन भी बेहद होनहार था, लेकिन जंग लगे, जर्जर पोल के कारण दोनों की जान चली गई। कांग्रेस ने मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की जाए और दोनों परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता दी जाए। हुड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय बनाए गए विश्वस्तरीय खेल स्टेडियमों का रखरखाव वर्तमान सरकार में पूरी तरह ठप पड़ गया है। न उपकरणों की देखरेख है, न मैदानों की मरम्मत। उन्होंने बताया कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा लाखनमाजरा ग्राउंड के लिए 12.30 लाख और फिर 6.20 लाख रुपये की ग्रांट दी गई थी, लेकिन "सारा पैसा फाइलों में दबा रहा, धरातल पर एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। उन्होंने कहा सरकार को मामले में एफआईआर करवानी चाहिए। इसके अलावा मृतकों के परिवार के एक एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता की जानी चाहिए।

दीपेंद्र पहुंचे पीड़ित परिवार के घर

सांसद दीपेंद्र हुड्डा लाखनमाजरा पहुंचे और हार्दिक के परिवार से मिलकर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि सरकार और सिस्टम की लापरवाही ने दो होनहार खिलाड़ियों की जान ले ली है। यदि उनकी तरफ से दी गई 19 लाख रुपये की ग्रांट का उपयोग होता, तो हार्दिक आज जीवित होता। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोनों परिवारों के एक सदस्य को नौकरी दी जाए और अधिकतम आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। साथ ही सांसद निधि न लगाने की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

खेल मंत्री करेंगे दौरा

खेल मंत्री गौरव गौतम गुरुवार सुबह 10:30 बजे हार्दिक के घर पहुंचकर शोक व्यक्त करेंगे। इसके अलावा वह खेल विभाग के अधिकारियों के साथ भी मीटिंग कर सकते हैं। हाल ही में उन्हों कड़े तेवर दिखाते हुए जिला खेल अधिकारी को सस्पेंड करने एवं जांच करने के लिए कमेटी बनाने के आदेश जारी किए हैं।

प्रो. नसीब सिंह गिल ने क्वांटम कंप्यूटिंग पर दिया विशेष व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड ऍप्लिकेशन्स विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल ने बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली में क्वांटम कंप्यूटिंग विषय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण विशेषज्ञ सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीवीआईसीएएम के निदेशक प्रो. एम. एन. होडा ने की। उन्होंने प्रो. गिल का स्वागत करते हुए सत्र का औपचारिक उद्घाटन किया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में विवि की टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

मदवि की बैडमिंटन महिला टीम पहुंची सेमीफाइनल में

रोहतक। जयपुर में आयोजित पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की बैडमिंटन महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया है। रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एमडीयू की टीम-दिव्यांशी बड़सरा, नैंसी, कनक सिंघल और वेदिका दहिया ने जैन विश्वविद्यालय, कर्नाटक को 2–1 से मात देकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। मुकाबले की शुरुआत से ही एमडीयू खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाया। टीम की प्रमुख खिलाड़ियों कनक सिंघल और नैंसी ने बेहतरीन संयम, सटीक स्मैश और मजबूत रक्षात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हुए निर्णायक मुकाबला जीता और टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाया। खिलाड़ियों की इस जीत से एमडीयू के खेल विभाग और पूरी यूनिवर्सिटी में खुशी की लहर है।

डीएलसी सुपवा ने मुहैया कराया नृत्य कलाकारों को प्लेटफॉर्म

रोहतक। प्रदेश के अलग-अलग कोने से 100 से अधिक डांसर बुधवार को दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसी सुपवा) पहुंचे। इनमें हरियाणा का बेस्ट नृत्य कलाकार बनने की होड़ नजर आई। बुधवार को डीएलसी सुपवा में इनके ऑडिशन हुए, जिसमें इन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए अंतिम 16 में स्थान बनाने की कोशिश की। अंतिम 16 प्रतिभागियों के साथ 29 नवंबर को डीएलसी सुपवा में ग्रैंड फिनाले के दौरान हरियाणा का बेस्ट नृत्य कलाकार चुना जाएगा।

एमडीयू में 76वां संविधान दिवस धूमधाम से मनाया

संविधान शासन व्यवस्था का दस्तावेज नहीं, हमारी राष्ट्रीय आत्मा है: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में सोमवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष और 76वें संविधान दिवस का समारोह अम्बेडकर हॉल में बड़े उत्साह व गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा विधि, लोक प्रशासन और राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से किया गया। समारोह में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह मुख्य अतिथि, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत विशिष्ट अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से आई प्रो. अनु मेहरा की-नोट स्पीकर रहीं। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन व्यवस्था का दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय आत्मा है। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को जीवन में अपनाना चाहिए। कुलपति ने एमडीयू परिवार को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के लॉ विभाग से जुड़े जस्टिस सूर्यकांत का भारत के चीफ जस्टिस पद पर पहुंचना एमडीयू के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

रोहतक। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व अन्य।

चर्चा विशेष स्वच्छता अधिकारी की अध्यक्षता में सफाई शाखा के अधिकारियों की बैठक

शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा

कूड़ा और गंदगी फैलाने वालों को निगम की चेतावनी, अब रात में भी निरीक्षण करेंगी टीमें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विशेष अधिकारी (स्वच्छता) प्रदीप कौशिक की अध्यक्षता में सफाई शाखा के अधिकारियों व कर्मचारियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देशों के तहत हुई, जिसमें शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि रोहतक शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए सभी को जिम्मेदारी व समर्पण भाव से कार्य करना होगा। नगर निगम द्वारा घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए नियमित रूप से वाहन भेजे जा रहे हैं। बाजार क्षेत्रों में भी रात के समय कूड़ा कलेक्शन किया जा रहा है, ताकि दिनभर बाजारों में साफ-सफाई बनी रहे। इसके बाद भी कुछ लोग कूड़ा इधर-उधर या सार्वजनिक स्थानों पर फेंककर गंदगी फैला रहे हैं, जो समझ से परे है। निगम आयुक्त का कहना है कि लोगों से बार-बार अपील भी की गई है, लेकिन अब कड़ाई से नियम लागू करने का समय आ गया है। निगम टीमों को निर्देश दिए गए कि वे रात के समय भी शहर में निरीक्षण करें और जहां भी गंदगी फैलाने की घटनाएं मिलें, संबंधित लोगों के चालान जारी किए जाएं। निगम आयुक्त ने कहा कि शहर की साफ-सफाई केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का भी यह कर्तव्य है। जब लोग अपने घर, दुकान या संस्थान में सफाई रख सकते हैं तो शहर में फैल रही गंदगी रोकने में भी सभी को सहयोग करना चाहिए। निगम की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि डस्टबिन न रखने वालों या कूड़ा सड़क पर फेंकने वालों के चालान अनिवार्य रूप से किए जाएंगे।

रोहतक। अधिकारियों की मीटिंग लेते विशेष (स्वच्छता) अधिकारी प्रदीप कौशिक।

26300 रुपये का जुर्माना वसूला गया

निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि मंगलवार को निगम टीम द्वारा मुख्य बाजार क्षेत्रों में निरीक्षण किया गया। इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले 7 दुकानदारों के चालान किए गए और उनसे 24000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं डस्टबिन न रखने और गंदगी फैलाने पर 7 अन्य चालान कर 2300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने बताया कि निगम की टीमें रात में भी निरीक्षण अभियान चलाएंगी ताकि मुख्य मार्गों से कूड़े के ढेर हटाए जा सकें। कई स्थानों से कूड़े के ढेरों को पहले ही हटवाया जा चुका है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। लक्ष्य है कि रोहतक को अधिकतम स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाया जाए। यदि किसी घर, दुकान या संस्थान पर कूड़ा लेने वाला वाहन नहीं पहुंच रहा है तो इसकी शिकायत 7303050200 या 7303050800 पर दर्ज कराई जा सकती है।

यह रहे मौजूद

विशेष अधिकारी प्रदीप कौशिक ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निगम निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी उद्देश्य से बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शहर में जहां भी कूड़े के ढेर हैं उन्हें तुरंत खत्म कराया जाए और गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती बरती जाए। बैठक में कार्यकारी अभियंता मंजीत दहिया, मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार और सचिन, कनिष्ठ अभियंता सूर्या धनखड़, सहायक सफाई निरीक्षक नरेंद्र, परमजीत, सुमित फौगाट, कृष्ण लाल, प्रदीप कुमार, संदीप राठी, सुशील कुमार सहित घर-घर से कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मदवि: प्रो. नीलम सहरावत ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया शोध पत्र

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स विभाग की प्रोफेसर डॉ. नीलम सहरावत ने रावेनशॉ विश्वविद्यालय कटक में नेशनल अकादमी ऑफ वेक्टर बॉर्न डिजीज द्वारा आयोजित 16वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष व्याख्यान दिया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. नीलम सहरावत ने अपने में कैलोट्रोपिस के पत्तों से लार्विसाइडल प्रोटीन का शुद्धिकरण, पहचान और गुणधर्म विषय पर अपने हालिया शोध को प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि कैसे कैलोट्रोपिस प्रोसेरा के पत्तों से निकाले गए प्रोटीन में एनोफेलीज स्टेफेंसी लार्वा के खिलाफ लार्विसाइडल गतिविधि पाई गई, जो मलेरिया नियंत्रण में मददगार साबित हो सकती है। इस शोध में पौधों आधारित मच्छरनाशक की स्थायी, किफायती और पर्यावरण-सुरक्षित संभावनाओं पर बल दिया गया। उन्होंने इस शोध में विशेष रूप से मलेरिया के मुख्य वेक्टर एन. स्टेफेंसी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लेकिन इसके परिणाम डेंगू, चिकनगुनिया और अन्य मच्छरजनित रोगों से मुकाबले के लिए पौधों आधारित लार्विसाइडल तैयार करने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक समुदाय ने इस व्याख्यान की नवाचार, गहन विधिकता और व्यावहारिक प्रासंगिकता की सराहना की। उल्लेखनीय है कि प्रो. नीलम सहरावत ने मच्छर और मलेरिया जेनेटिक्स के क्षेत्र में व्यापक शोध किया है और 34 शोध और समीक्षा लेख प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं। वर्तमान में वे मलेरिया के खिलाफ ट्रांसमिशन ब्लॉकिंग वैक्सीन और पौधों आधारित मच्छरनाशकों की पहचान पर शोध कार्य कर रही हैं।

प्रो. नीलम ने मच्छर और मलेरिया जेनेटिक्स के क्षेत्र में व्यापक शोध किया

स्पर्श-ऊर्जा का अनोखा एहसास कराए वूल योगा

योगा करने से तन-मन को लाभ तो होता ही है। लेकिन इन सर्दियों में अगर उसे करते समय वूलेन ड्रेस पहनी जाए तो आपको स्पर्श संवेदना के साथ ऊर्जा का अनोखा एहसास भी होगा। वूल योगा युवाओं को क्यों भा रहा है और इससे किस तरह के फायदे हैं, जानिए।

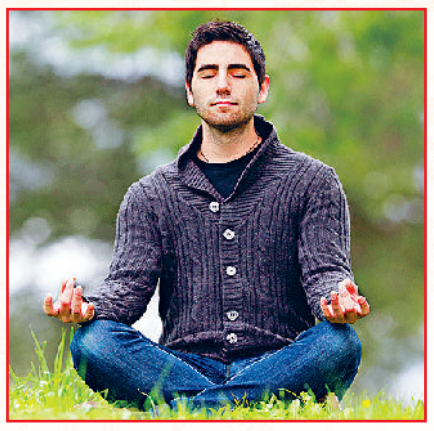

योगा ट्रेंड

दिव्यज्योति 'नंदन'

नवंबर-दिसंबर की ठंडी सुबहें जब कांच-सी पारदर्शी धुंध में लिपटी होती हैं, तब योगाभ्यास करने से अधिकतर लोग कतराने लगते हैं। लेकिन इन दिनों कुछ ऐसे युवा भी हैं, जो गर्म अहसास बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं, उन्हीं में से एक है- 'वूल योगा' यानी ऊनी वस्त्रों के साथ योगाभ्यास की वह शैली, जो तन और मन दोनों को स्पर्श के रोमांच से जोड़ती है।

योग में स्पर्श का एहसासः आमतौर पर हम योगाभ्यास को श्वास, आसन तथा ध्यान से जोड़ते हैं। मगर योग का एक बहुत गहरा रिश्ता स्पर्शबोध से भी है। वूल योगा दरअसल, इसी भूले हुए आयाम को फिर से जीवित करता है। जब शरीर ऊनी वस्त्रों से लिपटा होता है, ऊनी शॉल, ऊनी मैट या ऊनी स्वेटर तब त्वचा केवल गर्म अनुभव नहीं करती, बल्कि एक अनुभव से भी गुजरती है। यह स्पर्श का अनुभव है, जो शरीर को गर्माइश से भर देता है। योगिक दृष्टि से देखा जाए, तो स्पर्श इंद्रिय यानी त्वचा, शरीर की ऊर्जा धाराओं से सीधे जुड़ी होती है। जब हम प्राकृतिक ऊन के रेशों से बने वस्त्र पहनकर ध्यान लगाते या योगाभ्यास करते हैं, तो वह न सिर्फ हमें ऊर्जा या गर्माइश देता है बल्कि प्राणिक ऊर्जा को भी स्थिर करता है।

शरीर-प्रकृति के बीच पुलः ऊन को हम सामान्यतः सिर्फ गर्म कपड़े के रूप में जानते हैं, लेकिन योगिक दृष्टिकोण से यह कपड़ा 'जीवित वस्त्र' है। हर रेशा एक सूक्ष्म ऊर्जा वाहक की तरह काम करता है। न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म। दरअसल, ऊन शरीर और प्रकृति के बीच ऊर्जा का एक पुल बनाती है। यही वजह है कि आजकल कई योग प्रशिक्षक, युवाओं को सलाह देते हैं कि वे सर्दियों में ध्यान या प्राणायाम करते समय सिंथेटिक की जगह ऊन या खादी के वस्त्र पहनें। क्योंकि इन कपड़ों से हमारे शरीर की त्वचा सांस लेती है और ऊर्जा संतुलित रहती है। इससे ध्यान की अवधि स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

संवेदना को जगाएः आज के युवा फैशन को केवल दिखावे के रूप में नहीं लेते बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में भी देखते हैं। वूल योगा इसी मानसिकता का नया विस्तार है। जहां ऊनी शॉल, जूट मैट, हस्त निर्मित जैकेट और मिट्टी के रंग वाले कपड़े सिर्फ पहनावा नहीं बल्कि आपकी संवेदना की बयानगी करते हैं। दरअसल, वूल योगा इसी सौंदर्यशास्त्र का विस्तार है, जहां फैशन ध्यान में घुल-मिल जाता है और ध्यान खुद फैशन बन जाता है।

मिलती है भीतरी गर्मीः वूल योगा का सबसे अनोखा पहलू यह है कि यह युवाओं को स्पर्श के रोमांच से जोड़ता है, जो रोमांच किसी शारीरिक उत्तेजना का नहीं बल्कि जीवंतता के एहसास का होता है। जब किसी ठंडी सुबह में आप ऊनी आसन पर बैठकर ध्यान लगाते हैं तो कपड़े का हर रेशा त्वचा को एहसास दिलाता है कि शरीर अभी सचेत और ऊर्जावान है। इस अनुभव में एक गहरी मनोवैज्ञानिक वास्तविकता होती है, क्योंकि आधुनिक डिजिटल युग में हम शरीर से भी दूर होते जा रहे हैं और स्क्रीन ने हमारी स्पर्श संवेदना को कुंद कर दिया है। वूल योगा इसी कुंद हो चुकी स्पर्श संवेदना या टच सेंसेशन से हमें पुनः जोड़ता है। यह एक ऐसी अनुभूति है, जो हमें संवेदनशील होने का एहसास कराती है।

मिलता है नया अनुभवः वूल योगा, इस बात का प्रमाण है कि योग कोई जड़ या स्थिर गतिविधि नहीं है। इसे हम नई से नई जीवंत गतिविधियों से जोड़ सकते हैं। सर्दी के मौसम में युवाओं के लिए यह सिर्फ एक फिटनेस रूटीन नहीं है बल्कि शरीर और कपड़ों के बीच के संवेदनशील संवाद का अनुभव है। इसलिए हर वह युवा जो ऊनी शॉल ओढ़कर ध्यान लगता है, वास्तव में वह अंजाने में यही कर रहा होता है, जो अपने शरीर को महसूस करता है, वो योग के सबसे शुद्ध संस्करण तक पहुंचते हैं और यह वही जगह है, जहां साधक अपने शरीर, कपड़े और स्पर्श तीनों को योग की अनुभूति में बदल देता है। *

स्पेशल वर्ल्ड एड्स-डे 1 दिसंबर

डॉक्टर्स एडवाइस

एचआईवी संक्रमण और एड्स को लेकर अभी भी कई तरह के भ्रम समाज में मौजूद हैं। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि सावधानी बरतकर और जागरूकता से न केवल इससे बचा जा सकता है, बल्कि नियंत्रित भी किया जा सकता है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं कि एड्स कैसे हो सकता है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे कैसे बचाव हो सकता है इसका उपचार कैसे किया जा सकता है?

जागरूकता-सावधानी से संभव है एड्स की रोकथाम

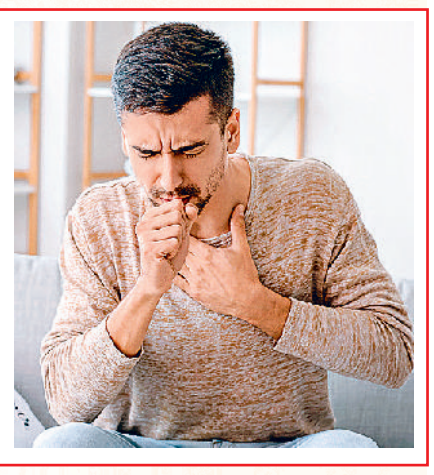

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक वार्षिक अभियान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने, इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार की पहल का दिन है। इसका मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण, उसके लक्षण, रोकथाम, उपचार और मिथकों के बारे में सही जानकारी देना है, ताकि समाज में फैले डर, भेदभाव और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके।

एड्स-एचआईवी में अंतर

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** बताते हैं, 'एड्स और एचआईवी को अकसर एक ही बीमारी माना जाता है, लेकिन सच यह है कि दोनों बिल्कुल अलग अवस्थाएं हैं। एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, जबकि एड्स इस संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण होता है, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर समय पर एचआईवी की पहचान हो जाए और मरीज तुरंत एआरटी थेरेपी शुरू कर दे, तो वह लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है और एड्स तक पहुंचने से भी बच सकता है। आधुनिक दवाइयां वायरस को पूरी तरह खत्म तो नहीं करतीं, लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम कर देती हैं कि वह शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता और दूसरे लोगों तक भी लगभग नहीं फैलता।'

भारत में एचआईवी की स्थिति

अपने देश में एचआईवी की कंडीशन के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज, **डॉ. अरविंद अग्रवाल** बताते हैं, 'भारत में एचआईवी की स्थिति के बारे में बात करें तो यह अभी भी एक अहम स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मुताबिक भारत में लगभग 23 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं और हर साल कई नए मामले सामने आते हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में संक्रमण कम हुआ है। सरकार और कई संस्थाओं के प्रयासों से लोगों में जागरूकता बढ़ी है और एआरटी दवाएं भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे मरीजों को काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद गांवों और छोटे शहरों में जानकारी की कमी, समाज का डर बना हुआ है, इसे दूर किए जाने की जरूरत है।'

एचआईवी कैसे फैलता है

एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है, इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. रोहित शर्मा** क्लीयर करते हैं, 'एचआईवी कैसे फैलता है, इसे लेकर लोगों में आज भी कई गलतफहमियां हैं, इसलिए सही जानकारी बेहद जरूरी है। एचआईवी संक्रमण सिर्फ चार वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तरीकों से ही फैलता है, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित सुई या ब्लेड का उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने से और मां से बच्चे में गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान। इन चार तरीकों के अलावा किसी भी सामान्य गतिविधि से एचआईवी नहीं फैलता। साथ बैठने, साथ खाने, हाथ मिलाने, कपड़े या टूथब्रश जैसे सामान साझा करने, या मच्छर के काटने से यह संक्रमण नहीं होता। फिर भी इन मिथकों के कारण लोग एचआईवी मरीजों से दूरी बनाते हैं, जिससे उन्हें सामाजिक भेदभाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। सही जानकारी ही इस कलंक को खत्म कर सकती है।'

एचआईवी के शुरुआती लक्षण

एचआईवी संक्रमण की शुरुआत में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे लोग इसे सामान्य थकान या मौसम बदलने की बीमारी समझ लेते हैं। कुछ मामलों में शुरुआती हफ्तों में फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं-जैसे हल्का बुखार, लगातार थकान, गले में खराश, शरीर पर हल्के दाने या बिना कारण वजन कम होना। चूंकि ये लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, लोग अकसर एचआईवी टेस्ट कराने से बचते हैं और संक्रमण बढ़ता जाता है। इसी वजह से डॉक्टर सलाह देते हैं कि जोखिम की स्थिति में समय पर एचआईवी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, ताकि बीमारी को शुरुआत में ही नियंत्रित किया जा सके।

सावधानी से संभव है रोकथाम

विश्व एड्स दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। एचआईवी से बचने के लिए कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए, जैसे हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाना, एक ही साथी के साथ संबंध रखना, किसी भी सुई या ब्लेड का दोबारा उपयोग न करना, केवल जांच किए हुए और प्रमाणित खून ही चढ़वाना और गर्भवती महिलाओं का समय पर एचआईवी टेस्ट कराना। इसके साथ ही जागरूक रहना और दूसरों को भी सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। ये कदम न केवल व्यक्ति को सुरक्षित रखते हैं बल्कि समाज में संक्रमण की रफ्तार भी काफी हद तक कम कर देते हैं।

सही नहीं भेदभाव करना

हालांकि इलाज और जागरूकता बढ़ी है, फिर भी एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें नौकरी देने में हिचकिचाहट, घर या स्कूल में दूरी, रिश्तों में समस्याएं और सामाजिक तिरस्कार जैसी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, जो बीमारी से ज्यादा मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। विश्व एड्स दिवस इसी भेदभाव को खत्म करने की अपील करता है। समाज का सम्मान और सहयोग संक्रमित व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्कूलों में यौन शिक्षा देना, युवाओं में जागरूकता फैलाना और संक्रमित लोगों का सम्मानपूर्वक सहयोग करना- ये सभी कदम संक्रमण को कम करने में भूमिका निभाते हैं। यदि समाज एकजुट होकर काम करे तो एचआईवी को रोकना संभव है।*

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

एआरटी थेरेपी है काफी कारगर

एक समय एचआईवी को जानलेवा बीमारी माना जाता था, लेकिन आधुनिक चिकित्सा ने इसकी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। आज उपलब्ध एआरटी मरीज को लंबा, सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है। इससे शरीर में वायरस की मात्रा काफी कम हो जाती है, जिससे संक्रमण दूसरों तक फैलना लगभग रुक जाता है और मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। भारत सरकार भी कई केंद्रों पर एआरटी की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराती हैं, जिससे लाखों लोग नियमित इलाज ले पा रहे हैं और अच्छा जीवन जी रहे हैं।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

सर्दियों में गर्माहट का एहसास कराए लेमन ग्रास

सर्दियों के लिए लेमन ग्रास, बहुत खास हर्ब मानी जाती है। इसलिए इसे सर्दियों की 'वार्मिंग हर्ब' कहा जाता है। क्योंकि यह केवल स्वाद या सुगंध का स्रोत नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक रूप से गर्माहट देने वाली जड़ी-बूटी है, इसलिए ठंड के प्रारंभिक दिनों में लेमन ग्रास के सेवन से कई फायदे होते हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमताः लेमन ग्रास में कुदरती रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का गुण होता है, इसलिए सर्दियों की शुरुआत में जब शरीर खांसी, जुकाम और बुखार के संक्रमण से पीड़ित होता है, तब इसका इस्तेमाल लाभकारी होता है। लेमन ग्रास में सिंट्रल और जेरोनियोल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं, इसलिए ये बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं। जब हम सर्दियों में लेमन ग्रास का चाय के रूप में या एरोमा थेरेपी के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बहुत फायदे मिलते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और मूड शांत होता है। शुरुआती सर्दियों में लेमन ग्रास का बेहतर उपयोग करने के लिए एक कप पानी में एक इंच लेमन ग्रास का टुकड़ा या फिर इसके सूखे पत्ते डालकर पांच-सात मिनट तक उबालना चाहिए। अगर इस पानी में अदरक, तुलसी और शहद भी मिला दिया जाए, तो फायदे कई गुना ज्यादा बढ़ जाते हैं।

कई रोगों से बचाएः लेमन ग्रास की चाय पीने से सर्दी, जुकाम और गले की खराश में राहत मिलती है। पेट की गैस, अपच और भारीपन से भी राहत मिलती है। लेमन ग्रास की भाप या इसकी चाय का नियमित इस्तेमाल करने से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूती मिलती है। क्योंकि इस मौसम में यह श्वसन तंत्र को खोलती है और हमारे गले की खराश को कम करती है। लेमन ग्रास में एक रासायनिक उत्प्रेरक शक्ति होती है, जिसके चलते यह बलगम को पतला करके उसे शरीर से निकालने में विशेष रूप से मदद करती है। इसलिए कुछ लोग सर्दियों में लेमन ग्रास को कफ फ्रेंडली हर्ब के रूप में भी जानते हैं, क्योंकि लेमन ग्रास का मूल स्वभाव उष्ण यानी गर्म होता है। मतलब यह हमारे रक्त संचार को बढ़ाती है, जो कि ठंड के मौसम में धीमा हो जाता है। लेमन ग्रास की चाय पीने से हमारे शरीर की सुस्ती और ठिठुरन कम होती है। क्योंकि जब हम लेमन ग्रास की चाय पीते हैं तो शरीर में इसके प्रभाव से एनर्जी पैदा होती है और मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ जाती है। लेमन ग्रास के कुछ टुकड़ों को दालचीनी और तुलसी के साथ सूप बनाकर पीया जाए, तो बड़ा फायदा मिलता है क्योंकि यह प्राकृतिक डिटॉक्स की तरह काम करता है।

लेमन ग्रास बाथः इस मौसम में गुनगुने पानी में लेमन ग्रास की पत्तियां या तेल डालकर 15 से 20 मिनट तक पैरों को उस गुनगुने पानी में डुबोकर रखें और फिर गुनगुने पानी से स्नान कर लिया जाए, तो थकान की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाती है। *

अवेयरनेस

अपराजिता

किसी की डेथ के बाद अगर उसके कुछ अंगों का दान कर दिया जाए तो दूसरे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। लेकिन अवेयरनेस के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता है। 27 नवंबर, राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर, इस बारे में जानिए।

अंग दान से मिल सकता है कई लोगों को जीवनदान

आज का दौर, चिकित्सकीय दृष्टि से क्रांति का दौर कहा जा सकता है। पिछले एक दशक में बायो क्षेत्र में जितनी तकनीकी प्रगति हुई है, उतनी शायद ही किसी दूसरे दौर में हुई हो। बावजूद इसके जीवन रक्षा के लिए आज भी तकनीक से ज्यादा जरूरी अंग दान ही है, क्योंकि अंग प्रत्यारोपण की तकनीक तो बहुत तेजी से विकसित हुई है, लेकिन अभी भी कृत्रिम अंगों की वह विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकी, जो आज भी मानवीय अंगों को है। सवाल है, इस बीच में लोगों का जीवन बचाने और बेहतर बनाने का उपाय क्या हो सकता है? तो इस सवाल का सबसे आसान जवाब यही है अंग दान।

अंगदान की बढ़ती मांगः अकेले भारत में ही हर साल 63 हजार लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। लेकिन हर साल अंगदान के रूप में हासिल होने वाली किडनियों की संख्या 3000 से भी कम होती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत जिस रफ्तार से बढ़ रही है। इसी तरह हर साल भारत में 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, मगर मुश्किल से 800 से 900 लोगों को ही अंगदान के जरिए यह सुविधा प्राप्त हो पाती है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों के बीच अंगदान की दर 0.3 से 0.8 के आस-पास है।

अवेयरनेस की है कमीः सामाजिक जागरूकता और नीति प्रक्रिया की स्थिति कुछ ऐसी है कि सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देशों में अंगदान की गति बहुत धीमी है। इसलिए अंग दान जैसे दिवसों का पहले के मुकाबले आज कहीं ज्यादा महत्व है, क्योंकि इसी बहाने लोगों को अंग दान को लेकर जागरूक किया जा सकता है। इसलिए अंग दान जैसे दिवस भले इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बारे में प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया ज्यादा बेहतर और ज्यादा सुखी बन सके।

पहले से बढ़ी है जागरूकताः आज विश्व स्वास्थ्य संगठन और चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े तमाम संगठन और संस्थाएं अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम करती हैं, जिसके चलते अब धीरे-धीरे लोगों में यह भ्रम और झिझक खत्म हो रही है और अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बढ़ी है। लेकिन आज भी मांग और उपलब्धि के बीच में बहुत बड़ा अंतर है।

सिर्फ गुर्दा प्रत्यारोपण हेतु ही दुनिया में कई लाख लोग हर समय प्रतीक्षारत रहते हैं और गुर्दा दान करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। हालांकि पिछले कुछ सालों में पश्चिमी विकसित देशों में अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बेहतर हुई है और आज औसतन प्रति लाख 20 से 30 लोग अंगदान के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रति लाख 30 लोगों का आंकड़ा स्पेन का है। लेकिन आज भी अंगदान देने वालों और चाहने वालों की संख्या में बहुत फर्क है। इसलिए इस दिन की खास महत्ता है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें समझाया जाए कि अंगदान ही महादान है। इसलिए अंग दान दिवस की महत्ता आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। *

बचा सकते हैं कई लोगों की जान

आज भी शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह से कृत्रिम नहीं बनाया जा सका, जो सौ फीसदी कारगर हो। आज भी 99.99 फीसदी अंग प्रत्यारोपण जीवित या मृत लोगों के द्वारा दिए गए अंगों के दान पर ही निर्भर है। ऐसे में कोई भी तकनीक चाहे कितनी ही उन्नत हो जाए, किसी काम की नहीं होगी, जब प्रत्यारोपण के लिए अंग ही न मौजूद हों। यही कारण है कि अंग प्रत्यारोपण दिवस पर पूरी दुनिया में अनेक मेडिकल संस्थाएं और एजेंसियां अंग दान संबंधी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करती हैं। गौरतलब है कि अंग दान के प्रति उदासीनता के कारण हर साल 25 लाख से ज्यादा लोगों की या तो दुर्घटना के चलते या असाध्य बीमारियों के तहत मौत हो जाती है और अगर पूरी दुनिया में लोग अंग दान को लेकर सहज हो जाएं, तो हर साल इतने लोगों को असमय मृत्यु से बचाया जा सकता है।

फिटनेस फंडा

नितिन बाबू

फिटनेस के लिए डेली करना होता है एफर्ट

चिराग की भूमिका निभाना मेरे लिए रोमांचक और भावनात्मक दोनों है। उसका किरदार बहुत गहराई लिए हुए है। ऐसे किरदार को निभाने के लिए मेंटली फिट होना बहुत हेल्पफुल होता है। वैसे भी मैं हमेशा से अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहा हूं और इसके लिए डेली एफर्ट करता रहता हूं।

सोनी सब चैनल के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में चिराग का किरदार नितिन बाबू निभा रहे हैं। वह अच्छी लाइफ के लिए फिजिकल और मेंटल फिटनेस को बहुत महत्व देते हैं। इसके लिए वे क्या कुछ करते हैं, अपना फिटनेस रूटीन नितिन शेयर कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

डाइट प्लानः मेरा डाइट प्लान ज्यादातर सिंपल और संतुलित रहता है। सुबह हल्का और हेल्दी नाश्ता करता हूं। इसमें ओट्स, अंडे या फिर फल लेता हूं। दोपहर में घर का बना खाना पसंद है, जिसमें दाल, सब्जी, सलाद और ब्राउन राइस या रोटी होती है। रात का खाना मैं हल्का रखता हूं। दिन भर खूब पानी पीने की कोशिश करता हूं और जंक फूड से जितना हो सके दूर रहता हूं।

वर्कआउट रूटीनः मेरा वर्कआउट रूटीन, शूट शेड्यूल पर निर्भर करता है। लेकिन मैं सप्ताह में कम से कम तीन दिन जरूर एक्सरसाइज करता हूं। इसमें कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और किसी दिन योग या फंक्शनल ट्रेनिंग शामिल होती है। शूट पर भी अगर समय मिलता है तो थोड़ी देर वॉक कर लेता हूं। वर्कआउट मिस नहीं करता हूं।

मैनेज करता हूं टाइमः सच कहूं तो वर्कआउट के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन यह फिट रहने के लिए बहुत जरूरी भी है। इसलिए मैं अपने दिन की प्लानिंग पहले से कर लेता हूं। अगर सुबह शूट हो, तो वर्कआउट शाम को कर लेता हूं। अगर दोपहर या शाम का शूट है तो सुबह वर्कआउट कर लेता हूं। और कभी-कभी सेट पर ही थोड़ा समय निकालकर कोई छोटी-मोटी फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं।

ऐसे रहता हूं मेंटली फिटः मेरे लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं रोज कुछ मिनट मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करता हूं। किताबें पढ़ना मेरी हैबिट में शामिल है। परिवार और दोस्तों से बातचीत करना मुझे संतुलित रखता है। इसके आनावा मैं मानता हूं अपने मन की सुनना और खुद को ज्यादा भार या तनाव न देना बहुत मायने रखता है।

फिटनेस आइडलः मुझे हमेशा से ऋतिक रोशन और मिलिंद सोमन ने प्रेरित किया है। दोनों सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत हैं। उनकी लाइफस्टाइल और अनुशासन मुझे यह सिखाते हैं कि फिटनेस एक लंबी यात्रा है। यह निरंतर चलती है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

रीडर्स को मैसेजः मेरा सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है- कंसिस्टेंसी इज द की। यानी फिटनेस के लिए आप चाहे कितना भी छोटा कदम उठाएं, लेकिन उसे रोज जारी रखें। फिटनेस सिर्फ जिम जाने से नहीं आती, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से आती है। इसमें हेल्दी डाइट, अच्छी नींद और सकारात्मक सोच शामिल होती है। इसे लगातार फॉलो करना होता है, डेली एफर्ट करना होता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

खबर संक्षेप

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो के शहरी जिला अध्यक्ष राकेश सहगल व एडवोकेट सुधीर मलिक।

इनेलो सुप्रीमों चौटाला पर मारपीट के आरोप झूठे

रोहतक। इनेलो के शहरी जिला अध्यक्ष राकेश सहगल ने हरियाणा के पूर्व आईपीएस आरएस यादव द्वारा इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला पर मारपीट के आरोप लगाने को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि पूर्व आईपीएस यादव झूठे व बेबुनियाद आरोप लगा रहे है और राजनीति लाभ लेने के लिए सरकार के साथ मिलकर इनेलो पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो शहरी जिला अध्यक्ष राकेश सहगल ने कहा कि इनेलो पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेस व भाजपा के नेता पूरी तरह से घबरा व बौखला गए है और इसी के चलते अब इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला के खिलाफ षडयंत्र रचे जा रहे है।

छोटूराम कन्या कॉलेज में संविधान दिवस मनाया

सांपला। कस्बे के सर छोटूराम कन्या महाविद्यालय में बुधवार को 11वें संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर के तस्वीर पर मल्यार्पण के साथ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संतोष हुड्डा द्वारा संविधान का निर्माण, उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया एवं सभी को संविधान के आदर्शों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया और सभी को प्रस्तावना की शपथ दिलाई।

संविधान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय में एससी सेल एवं इक्वल अपॉर्चुनिटी सेल के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस पर एक विचार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेल के समन्वयक डॉ. रविकांत द्वारा उपस्थित प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों को संविधान की शपथ दिलवाकर किया गया। डॉ. रविकांत ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान हमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों से जोड़ता है तथा एक सशक्त और समावेशी समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर (डॉ.) संजय गुप्ता रहे।

एमडीयू में कैंसर के प्रति किया जागरूक

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी में ब्रेस्ट कैंसर और ब्रेन ट्यूमर पर जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पॉजिट्रॉन हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया।

पंडित नेकीराम शर्मा कॉलेज के वार्षिक खेल उत्सव में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 91वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान ने ध्वजारोहण करके किया। खेलकूद प्रतियोगिता के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र ने खेल दिवस की रूपरेखा प्रस्तुत की और विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित किया। कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों ने 100 मीटर, 200 मीटर 400 मीटर, 1500 मीटर और 5000 मीटर , लॉन्ग जंप ,हाई जंप ,डिस्कस थ्रो इत्यादि विभिन्न इवेंट्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे कैंपस में ऊर्जा, जोश और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विशेष माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि "खेल मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करते हैं। अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम-वर्क और आत्मविश्वास—ये सभी खेलों से ही विकसित होते हैं।" पहले दिन की 91वीं खेल प्रतियोगिता में 100 मी वूमेन रेस में पहले स्थान पर रही चंचल, दूसरे स्थान पर सुनैना एवं तीसरे स्थान पर रही निक्कू रही। 200 मी वूमेन में प्रथम स्थान काजल द्वितीय चंचल, तृतीय स्थान डिंपल ने प्राप्त किया।

रोहतक। लॉन्ग जंप में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। रेस में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान।

400 मीटर रेस वूमेन में पहला स्थान काजल, दूसरा कोमल व तीसरा ज्योति ने प्राप्त किया

1500 मी बॉयज में पहला स्थान तरुण ,दूसरा नरेंद्र, तीसरा स्थान राजू ने प्राप्त किया। 800 मीटर रेस बॉयज में पहला स्थान तरुण,दूसरा स्थान दीपेंद्र,तीसरा स्थान राजू ने प्राप्त किया। लॉन्ग जंप बॉयज में पहला स्थान प्रवेश, दूसरा हिमांशु ,तीसरा स्थान मोहित ने प्राप्त किया। लॉन्ग जंप गर्ल्स में पहला स्थान काजल,द्वितीय सुनैना ,तीसरा स्थान चंचल ने प्राप्त किया । डिस्कस थ्रो वूमेन में पहला स्थान सुनैना ,द्वितीय काजल ,तृतीय स्थान अंजलि ने प्राप्त किया । शॉट पुट में प्रथम स्थान तनुज ,द्वितीय यश ,तृतीय स्थान सौरभ ने प्राप्त किया। 5000 मी बॉयज में पहला स्थान तरुण ,दूसरा दीपेंद्र, तीसरा स्थान अनुज ने प्राप्त किया। 800 मी बॉयज में पहला स्थान तरुण दूसरा दीपेंद्र तीसरा राजू ने प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सदस्य डॉ सुशील दलाल ,डॉ रेनू राना ,डॉ सुरेश दहिया,डॉ विकाश खोखर डॉ राजेश , डॉ मस्तराम, डॉ परवीन एवं अन्य सभी प्राध्यापकगण मौजूद रहे।

मंडल स्तरीय कला कार्यशाला का सफल समापन

कला अध्यापकों ने कैनवास पर उकेरे रचनात्मक भाव, जीते दिल

सोनीपत और रोहतक जिलों से आए टीजीटी ड्राइंग अध्यापकों ने सभी को किया आश्चर्यचकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मंडल स्तरीय टीजीटी ड्राइंग कला कार्यशाला के दूसरे बैच की तीन दिवसीय कार्यशाला का आज भव्य समापन हुआ। सोनीपत और रोहतक जिलों से आए टीजीटी ड्राइंग अध्यापकों ने इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक दक्षता और रचनात्मकता को नई दिशा दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कला अध्यापकों को विविध तकनीकों में प्रशिक्षित करना तथा उनके व्यक्तिगत सृजनात्मक दृष्टिकोण प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला के सफल आयोजन में समन्वयक डॉ. सुनीता अहलावत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उन्होंने न केवल पूरे कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन किया बल्कि प्रतिभागियों को निरंतर प्रेरित भी किया। मास्टर ट्रेनर्स- सरोज, डॉ. मीनाक्षी, सोनिया, सविता, डॉ. शोभना, परमिंदर, डॉ. अमृता सहित स्वाति, सत्यनारायण, सुंदर, जितेंद्र, सोनू सांगवान, मीना अहलावत, जयंत और मीनाक्षी सैनी ने भी सक्रिय सहयोग देते हुए कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।अंत में, डॉ. सुनीता अहलावत ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर्स और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया तथा भविष्य में भी ऐसी सृजनात्मक कार्यशालाएं आयोजित करने की आशा व्यक्त की।

रोहतक। कार्यशाला में भाग लेने वाले कला शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

अधिकारियों का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन

समापन समारोह में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की और कला शिक्षा के महत्व पर अपने विचार प्रकट किए। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने कला को विद्यार्थी के समग्र विकास के लिए अनिवार्य बताते हुए अध्यापकों के कार्यों की सराहना की। जिला परियोजना समन्वयक विजेंद्र हुड्डा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ शिक्षकों में नए शिक्षण कौशल विकसित करती हैं। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दलजीत ने भी अपने विचार साझा किए और कला शिक्षकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त बीआरसी डॉ. पुष्पा शर्मा, अंजू डबास और प्रिंसिपल पूर्णिमा ने भी उपस्थिति दर्ज कर अध्यापकों को प्रोत्साहित किया।

कला और अभिव्यक्ति का अद्भुत संगम

कार्यशाला के अंतिम दिन कला अध्यापकों ने अपने मनोभावों को विभिन्न चित्रण विधाओं के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतिभागियों ने वाटर कलर और पोस्टर कलर का उपयोग करते हुए आकर्षक लैंडस्केप तैयार किए, जिनमें रंगों का सामंजस्य और प्रकृति की सुंदरता प्रभावी रूप से उभरी। इसके साथ ही कैनवास आर्ट के माध्यम से शिक्षकों ने अपनी कल्पनाओं, व्यक्तिगत भावों तथा कलात्मक सोच को चित्रों का रूप दिया, जिनमें आधुनिक और पारंपरिक दोनों प्रकार की कला शैलियों की झलक देखने को मिली। कला के अन्य आयामों को भी इस कार्यशाला का हिस्सा बनाया गया। पेपर कटिंग क्राफ्ट के तहत प्रतिभागियों ने कई सुंदर सजावटी आकृतियां तैयार कीं। वहीं, भारतीय संस्कृति की प्रतीकात्मकता प्रस्तुत करते हुए कुछ अध्यापकों ने माटकों का विशेष अलंकरण किया, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। समापन के अवसर पर इन सभी कृतियों की एक भव्य प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे सभी अधिकारियों और प्रतिभागियों ने सराहा।

न्यूज डायरी

संविधान दिवस पर कार्यशाला आयोजित

रोहतक। संविधान दिवस के अवसर पर सैनी गर्ल्स बीएड कॉलेज में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को भारतीय संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। प्रिंसिपल डॉ. अलका बत्रा ने बताया कि यह कार्यशाला विशेष रूप से नए प्रवेश लेने वाली छात्राओं के लिए आयोजित की गई, ताकि उनके संविधान संबंधी ज्ञान का मूल्यांकन हो सके और उन्हें विभिन्न कानूनों एवं प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जा सके। कार्यक्रम में छात्रा निशा ने संविधान की प्रस्तावना पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संजू, प्रीति और मनु ने संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों, श्रम कानून, आईपीसी एक्ट तथा कानून जोड़ने और संशोधन की प्रक्रिया को समझाया।

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में मैथ्स क्विज आयोजित

रोहतक। सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में अंतर-सदनीय गणित क्विज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छठी से दसवीं तक के सभी चारों सदनों के पांच-पांच विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने गणितीय ज्ञान, त्वरित उत्तर देने की क्षमता और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन किया। हर टीम ने पूरी लगन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ प्रश्नों के उत्तर देकर अपने सदन को विजेता बनाने का प्रयास किया। रोमांचक मुकाबले के बाद मानेकशॉ सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में बाजी मारी।

बीएमयू परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के इको-बायोडायवर्सिटी क्लब ने बुधवार को परिसर में एक स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें नए वॉलंटियर्स ने पूरी लगन के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न हिस्सों में सफाई की और परिसर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना, स्वच्छता के महत्व को समझाना और प्लास्टिक-मुक्त तथा हरित परिसर की दिशा में आगे बढ़ना था। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विज्ञान संकाय के डीन डॉ. मनोज कुमार ने छात्रों को बताया कि इको–बायोडायवर्सिटी क्लब केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन को समझने का माध्यम है।

जॉन वेस्ले स्कूल में संविधान दिवस पर कार्यक्रम

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में चार दिवसीय संविधान एवं सतर्कता सप्ताह का समापन समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। पूरे सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों और प्रस्तुतियों को इस अवसर पर प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावना का वाचन, मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों पर चर्चाएं, केंद्रीय सतर्कता आयोग पर भाषण, भ्रष्टाचार रोकथाम में आरटीआई अधिनियम की भूमिका पर निबंध, समूह चर्चा, शक्तियों के पृथक्करण पर प्रश्नोत्तरी, मतदान–चुनाव में नागरिक भागीदारी तथा निवारक सतर्कता पर आधारित नुक्कड़ नाटक जैसे अनेक गतिविधियों का सफल आयोजन हुआ।

धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं गीता महोत्सव में लें भाग

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने जिला की धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं का आह्वान किया कि वे 29 नवंबर से एक दिसंबर तक स्थानीय पंडित श्रीराम शर्मा रंगशाला में आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय गीता महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें। उन्होंने कहा कि सभी संस्थाएं इस महोत्सव में उत्साह व जोश के साथ भागीदारी करे। इस महोत्सव में श्रीमद्भागवद् गीता एवं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा मोह ग्रस्त अर्जुन को दिए गए अमर संदेश पर आधारित भव्य प्रस्तुतियां होगी। कुमार लघु सचिवालय स्थित सभागार में गीता महोत्सव की तैयारियों के बारे में जिला की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर रहे थे।

बीएमयू में संविधान दिवस पर छात्रों को मौलिक अधिकारों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर विभिन्न संकाय विधि संकाय, मानविकी संकाय व कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट और कॉमर्स फैकल्टी द्वारा कई सार्थक तथा ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक आदर्शों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। विश्वविद्यालय के वातावरण में उत्साह, सहभागिता और विचारों की गूंज पूरे दिन बनी रही। मानविकी संकाय के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में "एक राष्ट्रः एक चुनाव" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. बीएम यादव के प्रेरक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने संविधान की मूल अवधारणाओं, नागरिक दायित्वों और अधिकारों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) बीएम यादव ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया के सबसे व्यापक और प्रगतिशील संविधानों में से एक है। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल हमारे अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि हमें उन कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, जिससे एक मजबूत और जिम्मेदार समाज का निर्माण होता है।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर संबोधन करते हुए कुलपति प्रो. बी. एम. यादव।

कनिष्का ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर रचा इतिहास एसजीएफआई में चयन पर विद्यालय में खुशी की लहर

रोहतक। शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना रोड की छात्रा कनिष्का ने माता ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर, प्रयागराज में आयोजित राष्ट्रीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में कनिष्का ने अपने असाधारण कौशल, संतुलन और लचीलेपन के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि न केवल परिवार और विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। कनिष्का का अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उनका चयन एसजीएफआई के लिए किया गया है, जिसे विद्यालयी खेलों का सर्वोच्च मंच माना जाता है। एसजीएफआई के लिए चयनित होना यह साबित करता है कि कनिष्का राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा दिखाने की क्षमता रखती हैं। प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार ने कहा कि यह सफलता छात्रा की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता रहेगा।

रोहतक। डॉ. भीमराव अंबेडकर आदमकद प्रतिमा का अनावरण करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन। फोटो : हरिभूमि

डीएवी पब्लिक स्कूल में संविधान की दी जानकारी

रोहतक। डीएवी पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। यह विशेष अवसर विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व और इसकी विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। प्रधानाचार्या रींकू वर्मा के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को बनाए रखने की शपथ ली। विद्यार्थियों ने संविधान के महत्व, डॉ. बीआर अंबेडकर के योगदान, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर अपने विचार अभिव्यक्त किए और भारतीय संविधान को राष्ट्र की आत्मा बताया।

रोहतक। डीएवी पब्लिक स्कूल में संविधान रक्षा की शपथ लेते विद्यार्थी।

संविधान दिवस पर डॉ. अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय संविधान के शिल्पकार और संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन द्वारा जिला बार एसोसिएशन में डॉ. बीआर अम्बेडकर पुस्तकालय में किया गया।

इस अवसर पर बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा पूर्व चेयरमैन डॉ. विजेन्द्र सिंह अहलावत, न्यायिक अधिकारी और बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि संविधान दिवस पर बाबा साहेब अंबेडकर का योगदान अतुलनीय है, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और स्वतंत्रता की नींव रखी। आदमकद प्रतिमा के माध्यम से भावी पीढ़ियां उनके विचारों और शिक्षा से प्रेरणा लेंगी। डॉ. अहलावत ने बताया कि डॉ. बीआर अम्बेडकर पुस्तकालय का उद्घाटन वर्ष 2010 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डॉ. केजी बालकृष्णन द्वारा किया गया था।

सेठ किशन दास गोयल की पुण्यतिथि पर 12 नेत्रहीन जोड़ों का सामूहिक विवाह, सैनिकों के लिए185 यूनिट रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। स्वर्गीय सेठ किशन दास गोयल की 15वीं पुण्यतिथि पर विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हनुमान मंदिर, गऊकरण धाम में पूर्व मेयर मनमोहन गोयल की ओर से 12 नेत्रहीन जोड़ों का विधिवत सामूहिक विवाह कराया गया। सभी नवविवाहित जोड़ों को जीवनोपयोगी सामग्री भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और प्रदेश संगठन महामंत्री फनिंदेरनाथ शर्मा मुख्य अतिथि रहे और नवदम्पतियों को आशीर्वाद दिया। जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें भी बांटी गईं। दुर्गा भवन में सैनिकों के लिए आयोजित रक्तदान शिविर में 185 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। वहीं कुमाऊं धर्मशाला, एकता कॉलोनी में नेत्र जांच शिविर में 235 लोगों की जांच की गई और 144 लोगों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। मैमोग्राफी जांच में 27 महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई। सामाजिक सेवा गतिविधियों के तहत डेयरी मोहल्ला धर्मशाला में 100 कंबल तथा कुमाऊं धर्मशाला में 200 कंबल वितरित किए गए।

रोहतक। नेत्रहीन जोड़ों के विधिवत सामूहिक विवाह पर नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन महामंत्री फनिंदेरनाथ शर्मा। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली।

संविधान दिवस पर बताए कानून

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में आज संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को संविधान के महत्व, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्रों को मौलिक अधिकार बताए।

सूचना

मैं, अमित पुत्र श्री रमेश निवासी रोलद लतीफपुर तहसील एंव जिला सोनीपत बयान करता हूँ कि मेरा गन लाईसैंस नं. 180/DMG/ARMS/2017 दिनांक 15.11.2025 को गुम हो गया है। अब मै उपरोक्त गन लाईसैंस की डुप्लीकेट प्रति निकलवाना चाहता हूँ। मेरे को मेरे गन लाईसैंस की असल प्रति मिल जाती है तो उसका मै कहीं दुरूपयोग करता हूँ तो उसका मैं स्वयं जिम्मेवार रहूँगा।

खबर संक्षेप

भाजपा नेताओं ने संविधान दिवस पर पढ़ी प्रस्तावना

रोहतक। भाजपा प्रदेश कार्यालय 'मंगल कमल' में 76वें संविधान दिवस पर पार्टी नेताओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान की सर्वोच्चता और राष्ट्रीय एकता की सबसे दृढ़ संरक्षक है। प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक शक्ति संविधान से आती है, न कि अवसरवादी विरोध की राजनीति से। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ दल संविधान को केवल चुनावी हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं, जबकि भाजपा इसे सर्वोच्च मानती है। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से डॉ. अंबेडकर के विरोध में रही है। उन्होंने बताया कि जैयसुर और खुलना को विभाजन के दौरान पाकिस्तान में इसलिए शामिल किया गया ताकि अंबेडकर संविधान सभा में न पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा ही संविधान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष हरिओम मित्तल भाली ने कहा कि संविधान दिवस औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को व्यवहार में उतारने का दायित्व है। भाजपा सरकारें इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में शमशेर सिंह खरक, डॉ. अशोक कुमार रंगा, हरिओम भाली, वीर सिंह हुड्डा, सुखबीर चंदेलिया, राहुल बालंद सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैश्य स्कूल में एनएसएस शिविर का समापन

रोहतक। वैश्य पब्लिक स्कूल में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) शिविर का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या सुषमा सुहाग, उप प्रधानाचार्य ऋतु बत्रा, जिला एनएसएस संयोजक मनोज अहलावत, वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के सह सचिव अनिल बंसल एवं कार्यक्रम अधिकारी विजेता शर्मा उपस्थित थीं। जिला संयोजक मनोज अहलावत ने आयोजन के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास हुआ है। संस्था के सह- सचिव अनिल बंसल ने बच्चों को आने वाले भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

एमडीयू सीडीएस के विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक दौरा

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज (सीडीएस) के डीआईएसएलआई एवं डीटीआईएसएल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने शैक्षिक फील्ड विजिट के तहत सोनीपत स्थित वेलफेयर सेंटर फॉर स्पीच एंड हियरिंग इंपेयरमेंट का भ्रमण किया। छात्र–छात्राओं ने श्रवण बाधित बच्चों की शिक्षा, संकेत भाषा तथा शिक्षण पद्धतियों को नजदीक से समझा। सीडीएस निदेशक प्रो. प्रतिमा देवी, उपनिदेशक प्रो. योगेन्द्र सिंह तथा चीफ कंसल्टेंट प्रो. राधेश्याम के मार्गदर्शन में बस को हरी झंडी दिखाकर एमडीयू टीवी–रेडियो स्टेशन परिसर से रवाना किया गया। इस विजिट में विद्यार्थियों के साथ विजिट सुपरवाइजर नितीश शर्मा, अनुराग, रूपेश सिंह तथा शिक्षकगण कुमारी मनीषा रानी और कुमारी मनसूफी साथ रहे। सुनील कुमार ने आयोजन सहयोग दिया। वेलफेयर सेंटर फॉर स्पीच एंड हियरिंग इंपेयरमेंट पहुंचने पर विद्यार्थियों ने सबसे पहले संस्थान के सहायक निदेशक मोहित डागर से भेंट की और विस्तृत जानकारियां प्राप्त कीं।

सीपीएएस गुरुग्राम में एनसीसी रेजिंग डे मनाया

रोहतक। महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के एमडीयू-सीपीएएस (सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड अलाइड स्टडीज) गुरुग्राम की एनसीसी यूनिट ने 77वां एनसीसी रेजिंग डे अत्यंत उत्साह, गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। यह आयोजन निदेशक एमडीयू–सीपीएएस प्रो. प्रदीप कुमार अहलावत और सीटीओ डॉ. स्नेहलता सांगवान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स ने अनुशासन और एकता की मिसाल पेश की। एनसीसी कैडेट्स ने जल–स्रोतों की सफाई कर पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक स्वच्छता के प्रति अपना योगदान दिया। इसी क्रम में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ विषय पर रैलियां निकाली गई, जिनमें छात्राओं की शिक्षा और सशक्तिकरण का संदेश व्यापक रूप से फैलाया गया। इसके अलावा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

विश्व हिन्दू परिषद ने की निंदा

सांपला। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा लिए गए फैसले को लेकर बुधवार को हिंदू परिषद ने एसडीएम उत्सव आनंद को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। जिला सह मंत्री सुंदर ओहलयाण ने बताया कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा हिंदू समाज के साथ भेदभाव करने का काम किया है इसकी वह निंदा करते हैं और हिंदू समाज इसे सहन नहीं करेगा। ज्ञापन देने वालों में आशीष अग्रवाल ,रौनक मालिक, नवीन कुमार ,जॉनी ,सूर्यदीप, नरेश दहिया ,सुमित कुमार, रुपेश आदि शामिल थे।

गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस की काबिलियत पर उठ रहे सवाल

नहर किनारे महिला की हत्या का केस अनसुलझा, 3 दिन में पहचान तक नहीं

- आस-पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर डीजीपी के निर्देशों की जिस मुस्तैदी का दावा किया जाता है, वह जमीनी स्तर पर खोखली नजर आ रही है। ट्रैक–डाउन अभियान का हाल यह है कि उसे सिर्फ खानापूर्ति के तौर पर चलाने की बातें उठने लगी हैं। इसका ताजा उदाहरण नहर किनारे मिली एक महिला की माथे पर गोली मारकर हत्या की गई है। इस महिला की पहचान तीसरे दिन भी नहीं हो पाई है, जबकि पुलिस दावा कर रही है कि सभी दिशाओं में जांच जारी है।

घटना उस समय सामने आई जब सोमवार को जवाहर लाल नेहरू नहर की पटरी से गुजर रहे एक राहगीर ने खून से सना शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। माथे पर गोली मारने के स्पष्ट निशान दिखाई दे रहे थे और चेहरे पर खून जम चुका था। शव जिस अवस्था में मिला उससे साफ है कि हत्या कहीं और नहीं, इसी स्थान पर किए जाने की संभावना अधिक है। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि एफएसएल टीम के पहुंचने से पहले ही पुलिस ने शव को डेड हाउस भिजवा दिया, जिससे सबूतों के साथ छेड़छाड़ और प्राथमिक जांच पर उठ रहे सवाल और तेज हो गए हैं।

घटनास्थल के आसपास रहने वालों का आरोप है कि पुलिस घटनास्थल को ठीक तरह से सील भी नहीं कर पाई। कई स्थानीय लोग बिना रोक-टोक घटनास्थल तक पहुंच रहे थे, जिससे सबूतों के नष्ट होने का खतरा पैदा हो गया। लोगों का कहना है कि डीजीपी द्वारा हाल ही में दिया गया निर्देश-ट्रैक डाउन अभियान को सख्ती व पारदर्शिता से लागू किया जाए- सिर्फ फाइलों में चल रहा है। जमीन पर स्थिति बिल्कुल विपरीत है।

हत्या बेहद नजदीक से की, सिर में गोली से गहरा घाव

जांच के अनुसार बताते हैं कि हत्या बेहद नजदीक से की गई है। सिर में लगी गोली गहरे घाव के रूप में दर्ज है, और आसपास काफी खून फैला हुआ मिला है। इससे यह भी संभावना है कि आरोपियों ने महिला को काबू में रखकर नजदीक से गोली मारी। पुलिस यह भी जांच रही है कि क्या महिला को किसी वाहन में बैठाकर इस स्थान पर लाया गया और हत्या के बाद शव फेंककर आरोपी फरार हो गए। वहीं, पुलिस इस हत्याकांड को प्रेम प्रसंग, आपसी रंजिश, छेड़छाड़, मानव तस्करी या किसी दूसरे संगठित अपराध से भी जोड़कर देख रही है, लेकिन फिलहाल कोई दिशा साफ नहीं हुई है।

परिवारों के बीच दहशत

दिवाली के बाद शहर व आसपास के क्षेत्रों में लगातार बढ़ती वारदातें लोगों को असुरक्षित महसूस करा रही हैं। दिनदहाड़े गोली चलने की घटनाएं पहले से ही चिंता का कारण थीं, अब यह हत्या उस चिंता को और गहरा कर रही है। परिवारों का कहना है कि जब एक महिला को खुले क्षेत्र में गोली मारकर फेंका जा सकता है और तीन दिन तक उसकी पहचान भी न हो, तो सुरक्षा किस स्तर पर है।

पुलिस अब तक खाली हाथ

मृतका के पास कोई दस्तावेज, मोबाइल, पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला। उसकी तस्वीर सभी थानों को भेजी गई है और मिसिंग रिपोर्टों से भी मिलान किया जा रहा है, लेकिन पहचान का कोई सुराग अब तक सामने नहीं आया। आसपास के गांवों, कॉलोनियों और राहगीरों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई भी महिला की पहचान बताने में सक्षम नहीं हुआ। पुलिस का कहना है कि आसपास आने-जाने वाले लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, परंतु अब तक जांच में एक भी ठोस लीड नहीं मिली है।

72 घंटे तक रखा जाएगा शव

शव को 72 घंटे तक डेड हाउस में सुरक्षित रखा जाएगा। इस बीच, यदि पहचान नहीं होती है, तो पोस्टमार्टम के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस हर मिसिंग रिपोर्ट का विश्लेषण कर रही है और महिला की फोटो आसपास के जिलों में भी भेजने की तैयारी है। थाना प्रभारी राकेश सैनी ने बताया कि शव की पहचान हमारी पहली प्राथमिकता है। पहचान के बिना जांच आगे बढ़ाना मुश्किल होता है। सभी दिशाओं में जांच की जा रही है।

अभी तक नहीं हुई पहचान

अभी तक मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस टीम आस-पास लगे सीसीटीवी की जांच कर रही है। आरोपियों को जल्द काबू किया जाएगा।
- राकेश सैनी, थाना प्रभारी, शिवाजी कॉलोनी, रोहतक।

संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा : डॉ. तनेजा

रोहतक। श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज में संविधान दिवस बड़े ही सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा की अध्यक्षता में किया गया। ज्ञात रहे कि संविधान दिवस 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को अंगीकृत किए जाने की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत गगन द्वारा संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुई। प्राचार्य डॉ. तनेजा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी कुमारी ने छात्रों को संवैधानिक मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी स्टाफ और विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना की गई। इस अवसर पर डॉ. अंजू देसवाल, डॉ. सुमित कुमारी दहिया, डॉ. हर्षिता, डॉ. प्रदीप, डॉ. ज्योति, डॉ. सीमा, संतोष तथा छात्र गगन, लावण्या, मनीषा, शिवम, जिया, मोहिनी, यश, सोनू, अंकित, आरती और सिमरन उपस्थित रहे।

किसान और मजदूरों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

- धान खरीद में हुए घोटाले की जांच समेत 22 सूत्रीय मांगों का मांगपत्र भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा और अखिल भारतीय किसान सभा,भारतीय किसान यूनियन, सीटू, खेत मजदूर यूनियन, इंटक, समेत अन्य किसान मजदूर संगठनों ने केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को शहर में प्रदर्शन किया।

इससे पूर्व संगठन के कार्यकर्ता मानसरोवर पार्क में एकत्रित हुए। यहां से नारेबाजी करते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मजदूर विरोधी चारों लेबर कोड रद्द करने, किसानों ने अपनी स्थानीय समस्याओं जिसमें बाढ़ और जलभराव का मुआवजा देने,धान खरीद में हुए घोटाले की जांच समेत 22 सूत्री मांगों का मांग पत्र मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति के नाम डीआरओ को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर किसान मोर्चा ने बताया कि आज ही के दिन दिल्ली किसान आंदोलन शुरू हुआ था और मजदूर संगठनों ने भी राष्ट्रीय हड़ताल की थी । इसीलिए देश भर में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने अपने स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किए हैं। हिसार में कार्यक्रम राज्य स्तरीय था।

किसान नेता प्रीत सिंह ने बताया कि प्रदर्शन के माध्यम से स्थानीय मुद्दे जिसमें जलभराव और सेम प्रभावित इलाकों में पानी की निकासी के स्थाई प्रबंध करने, बर्बाद फसलों का मुआवजा जारी करने, बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए कदम उठाने ,बीमा कंपनियों की मनमानी पर रोक लगा बीमा क्लेम जारी करने, ट्रेक्टरों के नवीनीकरण पर बढ़ाए गए 10 गुना शुल्क को वापस करने की मांग ज्ञापन में की गई है। प्रदेश में धान खरीद में हुए घोटाले में शामिल उच्च अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों का पर्दाफाश करके निष्पक्ष जांच करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

प्रदर्शन में इन्होंने लिया भाग

प्रदर्शन को किसान सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, सीटू के राज्य उपाध्यक्ष सतबीर सिंह, भारतीय किसान यूनियन के रणधीर, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान जगपाल सांगवान, सीटू जिला सचिव कामरेड विनोद, सर्व कर्मचारी संघ के प्रांतीय नेता सुमेर सिवाच, इंटक यूनियन के राज्य प्रधान वीरेंद्र सिंगरोहा, खेत मजदूरी यूनियन के संदीप सिंह, डीबीसी वर्कर्स यूनियन के नीरज, भवन निर्माण कामगार यूनियन के सतपाल, आशा वर्कर्स यूनियन की सोनिया व फूलवती,क्रैच वर्कर्स नेत्री पूजा राठी, ग्रामीण चौकीदार सभा के संजय चुलियाना, मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की सुनीता व राजबाला, सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव मनजीत पांचाल ने संबोधित किया।

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में मेदांता अस्पताल ने लगाया प्लेसमेंट मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में आज मेदांता-द मेडिसिटी के सहयोग से प्लेसमेंट मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन में मेदांता अस्पताल की मानव संसाधन टीम तथा नर्सिंग विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अंतिम वर्ष के नर्सिंग विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग्य, प्रशिक्षित और प्रतिभाशाली नर्सिंग छात्रों को देश के प्रमुख सुपर–स्पेशलिटी अस्पतालों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। मेदांता टीम की अनु सेठ, सुलीवा जैन और अरबा खातून ने कॉलेज परिसर में ही साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी की तथा कई छात्रों को अगले चरण के लिए चयनित किया। प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी नर्सिंग दक्षताओं का प्रदर्शन किया। कालेज की प्राचार्या ज्योति शर्मा ने मेदांता टीम का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि केवीएम नर्सिंग कॉलेज हमेशा उत्कृष्ट नर्सिंग शिक्षा, उन्नत व्यावहारिक प्रशिक्षण और 100 प्रतिशत प्लेसमेंट उपलब्ध कराने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को बेहतर करियर की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

केवीएम कॉलेज 100 प्रतिशत प्लेसमेंट को समर्पित : शर्मा

SHRADDHANJALI

Shri Shashi Kant
27.09.1942 - 24.11.2025

With profound grief and sorrow, we inform that our beloved
Shri Shashi Kant Srivastava
has left for his heavenly abode on 24.11.2025.
Prayer meet will be held on
November 28, 2025, from 2:00 PM to 3:00 PM
at
PRABHAT VATIKA
Opp. Devi Lal Park, Sector 1, Delhi Road, Rohtak
Grief Stricken
SRIVASTAVAS GULATIS SHARMAS

मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने मनाया संविधान दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आंबेडकर चौक स्थित मॉडल स्कूल में संविधान दिवस बड़ी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की शपथ से हुई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने देशहित में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और संवैधानिक कर्तव्यों के पालन का संकल्प लिया। अध्यापकों ने भी संविधान की शपथ दोहराते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। कक्षाओं में अध्यापकों द्वारा संविधान दिवस के महत्व, इसके निर्माण, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने काव्यपाठ, भाषण और विचार प्रस्तुतियों के माध्यम से संविधान के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया गया और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन का भी ध्यान रखना चाहिए। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त रोहतक सचिन गुप्ता, उपाध्यक्ष राम अवतार गुप्ता और सचिव राजेश कुमार सहगल ने भी संविधान की अनुपालना का प्रेरक संदेश भेजा। कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्या आशिता भांबरी भी उपस्थित रहीं।

गुरु तेग बहादुर को नवाया शीश

रोहतक। सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर साहिब का 350वां साल शहीदी दहाड़ा गुरुद्वारा बंगला साहिब जींद रोड में बड़ी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। संगत ने भारी तादाद में समागम में भाग लिया। गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस को लेकर गुरुद्वारा बंगला साहिब में तीन दिन से ही कार्यक्रम चल रहा था। भाई जसप्रीत सिंह, सोनू वीर, तरनवीर सिंह रबी वीर, दिल्ली वाले गुरबाणी कीर्तन कर संगतों को निहाल किया। संगत को बताया कि गुरु तेग बहादुर साहिब ने धर्म की रक्षा व मानवता की रक्षा करने के लिए दिल्ली चांदनी चौक में अपना शीश कुर्बान कर दिया औरंगजेब के जुल्मों से सभी हिंदुओं को बचा लिया। इस प्रोग्राम की सेवा समूह साध संगत, हरियाणा से गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी व सरदार अवतार सिंह खुराना, खुराना परिवार की ओर से की गई। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी कारण पुरी महाराज विशेष तौर पर, सरदार सिमरन सिंह खुराना, सरदार मलकीत सिंह पाहवा, सरदार परमजीत सिंह, सरदार अर्पण सिंह, नानू , गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इंचार्ज सरदार पंजाब सिंह ,मैनेजर सरदार पूर्ण सिंह मौजूद रहे और अन्य मौजूद रहे।